Refferel code- farooquisir10
get extra 10% discount

top and verified
educator of unacademy

- 9 year teaching experience with various india,s leading and renowned institutes and perform 200+ selections

- Expert of History optional , History for general studies ,Social issues,Social justice and current affairs

JAWED FAROOQUI

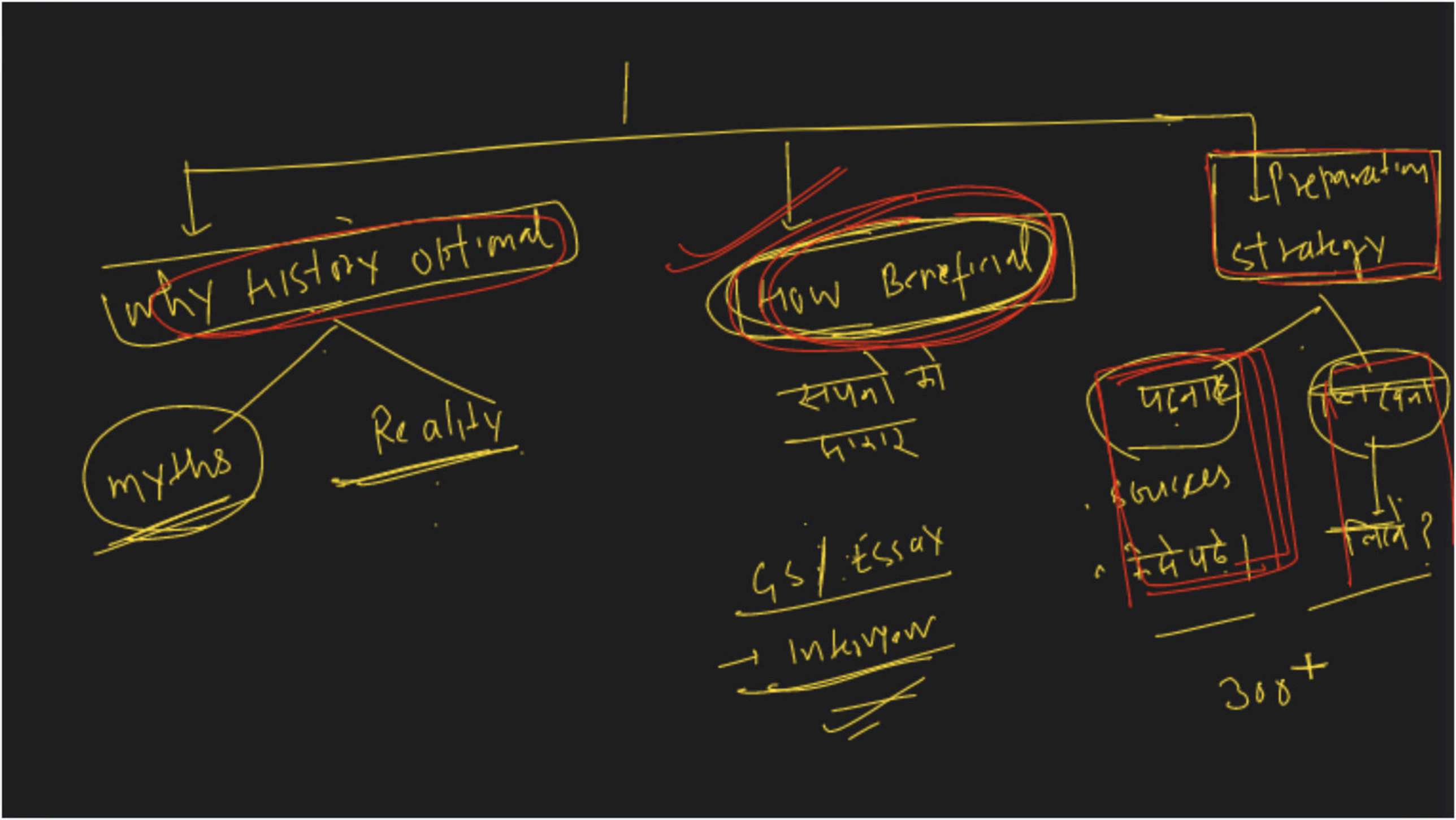

Why History optional
myths
Reality
How Beneficial
सपनों को साकार
GS / Essay
Interview
Preparation strategy
पढ़ना है
Sources
कैसे पढ़ें
लिखना
लिखें ?
300+

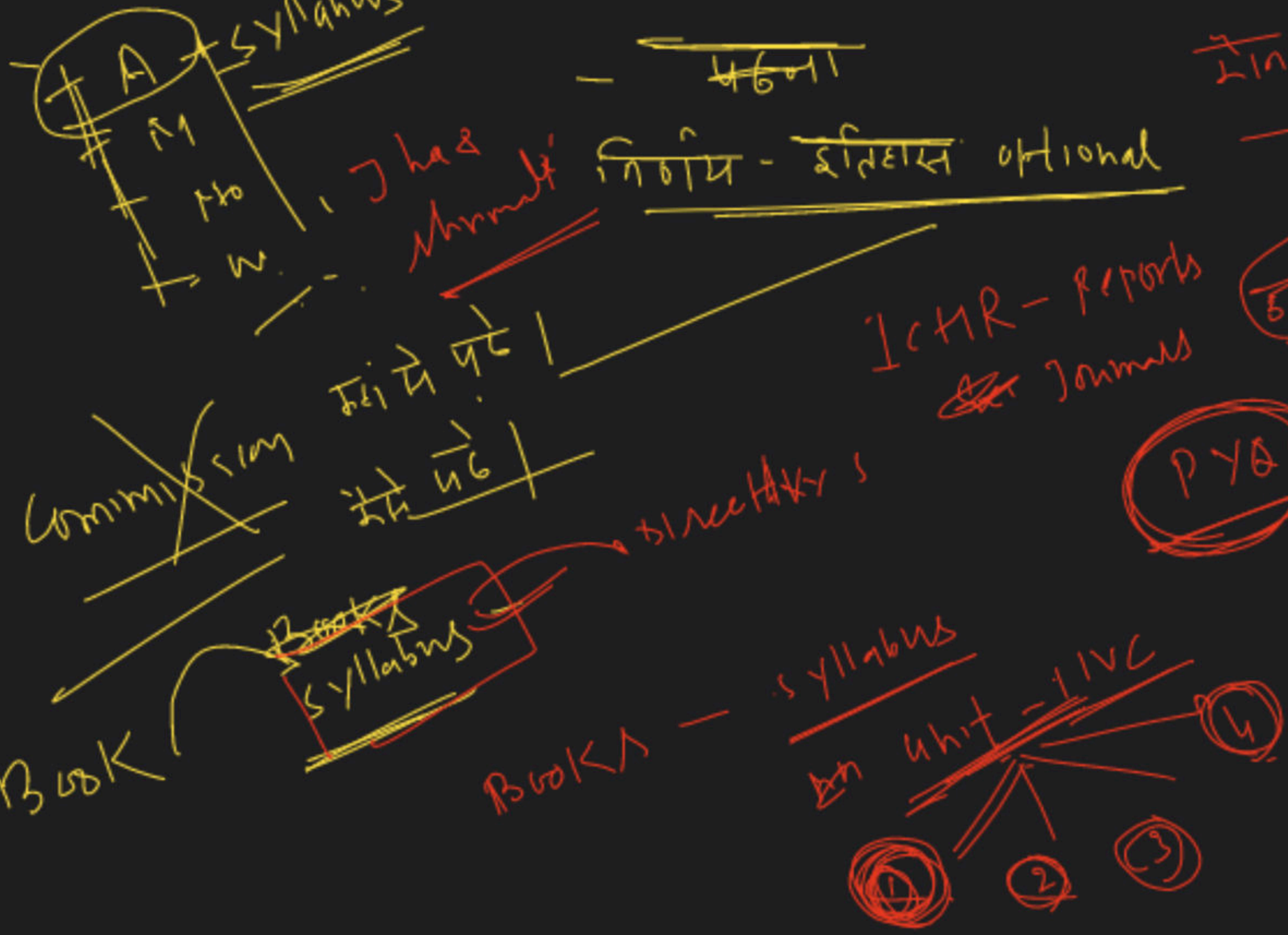

A syllabus

M
Mo
W.

~~पढ़ना~~

Jha &
Shrimali निर्णय - इतिहास optional

Univ. की Books

~~Commission~~

कैसे पढ़े |
कैसे पढ़े |

ICHR - Reports
Journals

इग्नू
Book से prepare

PYQs

सारे पढ़ें

Directions

~~Books~~
syllabus

Book

Books — syllabus
an unit - 1 IVC

1
2
3
4

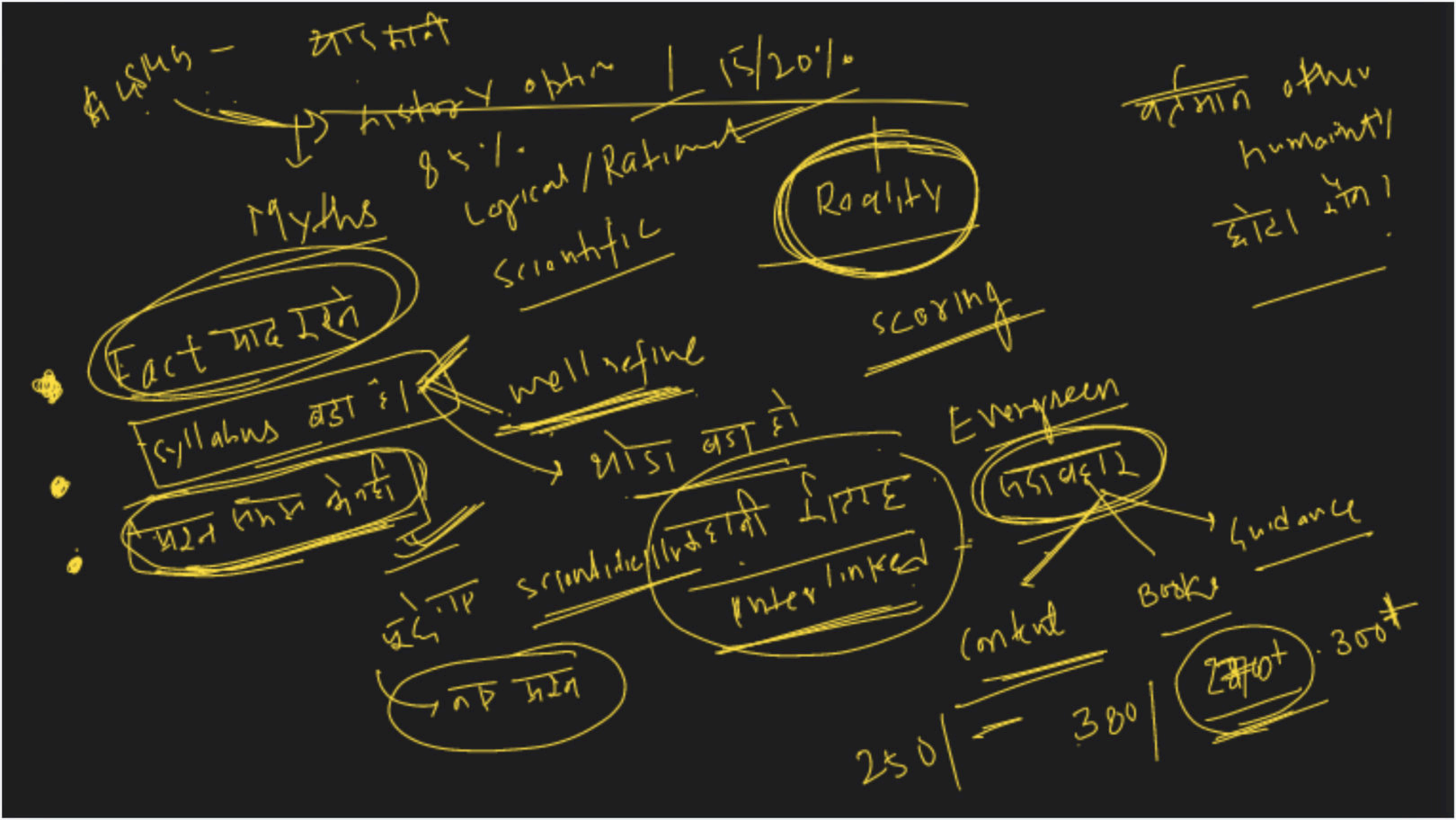

ઇતિહાસ – ઘણા બધા

history option | 15/20%

85%

Myths

Logical / Rational

scientific

Reality

વર્તમાન other humanity

[illegible]

- Fact આધારિત
- Syllabus વધારે છે ← well refine
- [illegible] → થોડા વધ્યા છે

scoring

Evergreen

[illegible] scientific/[illegible]

interlinked

[illegible] → Guidance / Books / Content

નાનો સવાલ

250/ – 300/ 280+ · 300+

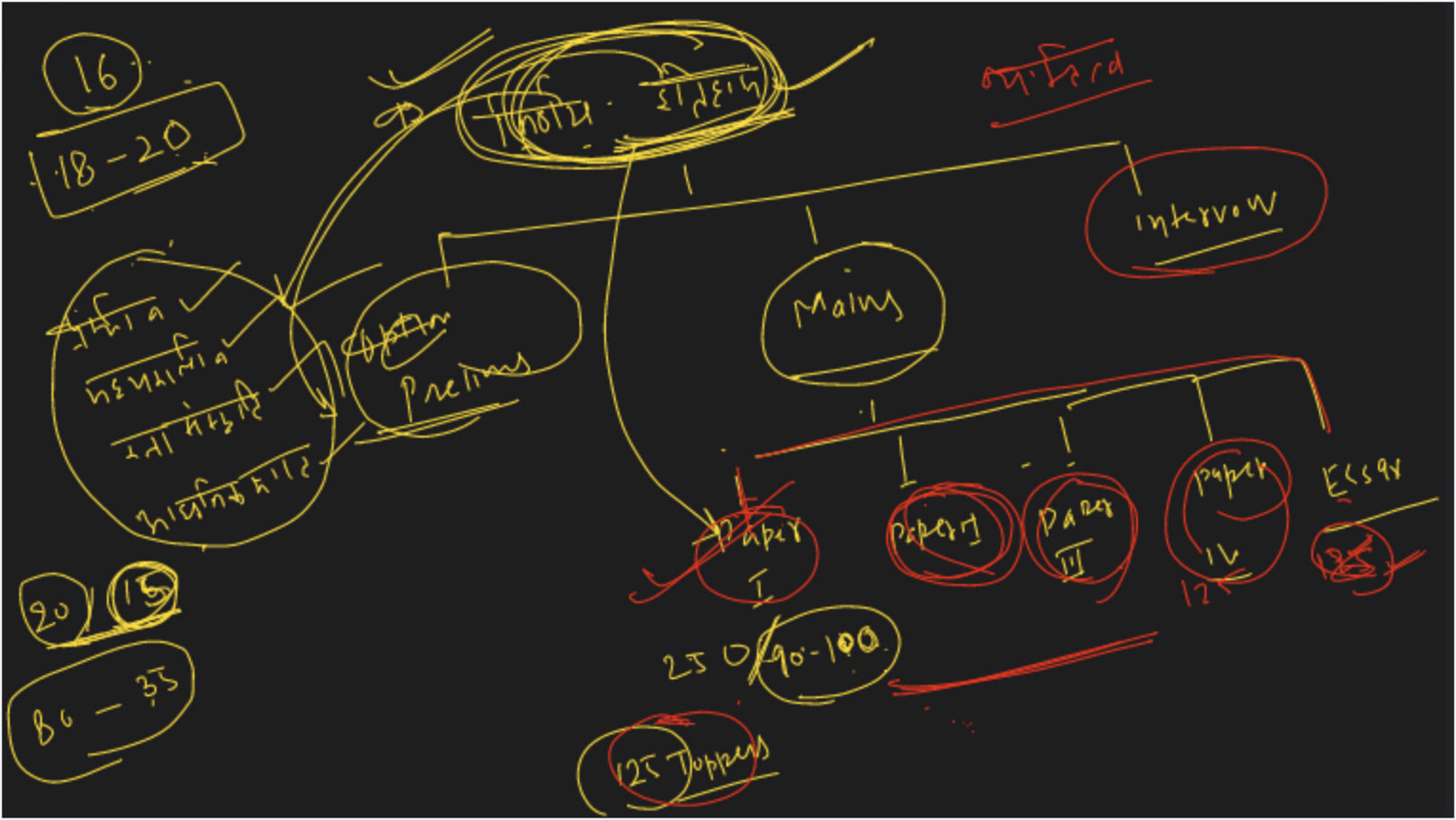

16
18-20
Prelims
Mains
Interview
Paper I
Paper II
Paper III
Paper IV
Essay
125
20
15
80 - 35
250
90-100
125 Toppers

वैकल्पिक विषय – इतिहास

Paper -1

PART -A (प्राचीन इतिहास)

1. स्रोतः पुरातात्विक स्रोतः अन्वेषण, उत्खनन, पुरालेखविद्या, मुद्राशास्त्र, स्मारक, साहित्य स्रोत। स्वदेशीः प्राथमिक व द्वितीयक; कविता, विज्ञान साहित्य, साहित्य, क्षेत्रीय भाषाओं का साहित्य, धार्मिक साहित्य। विदेशी वर्णन : यूनानी, चीनी एवं अरब लेखक

2. प्रागैतिहास एवं आद्य इतिहासः भौगोलिक कारक, शिकार एवं संग्रहण (पुरापाषाण एवं मध्यपाषाण युग); कृषि का आरंभ (नवपाषाण एवं ताम्रपाषाण युग)।

3. सिंधु घाटी सभ्यताः उद्गम, काल, विस्तार, विशेषताएँ, पतन, अस्तित्व एवं महत्त्व, कला एवं स्थापत्य।

4. महापाषाणयुगीन संस्कृतियाँ: सिंधु से बाहर पशुचारण एवं कृषि संस्कृतियों का विस्तार, सामुदायिक जीवन का विकास, बस्तियाँ, कृषि का विकास, शिल्पकर्म, मृदभांड एवं लौह उद्योग।

5. आर्य एवं वैदिक कालः भारत में आर्यों का प्रसार। वैदिक कालः धार्मिक एवं दार्शनिक साहित्य; ऋग्वैदिक काल से उत्तर वैदिक काल तक हुए रूपांतरण;

6. महाजनपद कालः महाजनपदों का निर्माण: गणतंत्रीय एवं राजतंत्रीय; नगर केंद्रों का उद्भव; व्यापार मार्ग, आर्थिक विकास; टंकण (सिक्का ढलाई); जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म का प्रसार; मगधों एवं नंदों का उद्भव। ईरानी एवं मकदूनियाई आक्रमण एवं उनके प्रभाव।

7. मौर्य साम्राज्यः मौर्य साम्राज्य की नींव, चंद्रगुप्त, कौटिल्य और अर्थशास्त्र; अशोक; धर्म की संकल्पना; धर्मादेश; राज्य व्यवस्था; प्रशासन; अर्थ-व्यवस्था; कला, स्थापत्य एवं मूर्तिशिल्प; विदेशी संपर्क; धर्म; धर्म का प्रसार; साहित्य। साम्राज्य का विघटन; शुंग एवं कण्व।

8. उत्तर मौर्य काल (भारत-यूनानी, शक, कुषाण, पश्चिमी क्षत्रप): बाहरी विश्व से संपर्क; नगर-केंद्रों का विकास, अर्थव्यवस्था, टंकण, धर्मों का विकास, महायान, सामाजिक दशाएँ, कला, स्थापत्य, संस्कृति, साहित्य एवं विज्ञान।

9. प्रारंभिक राज्य एवं समाज; पूर्वी भारत, दकन एवं दक्षिण भारत में: खारवेल, सातवाहन, संगमकालीन तमिल राज्य; प्रशासन, अर्थव्यवस्था, भूमि-अनुदान, टंकण, व्यापारिक श्रेणियों एवं नगर केंद्र; बौद्ध केंद्र, संगम साहित्य एवं संस्कृति, कला एवं स्थापत्य।

10. गुप्त वंश, वाकाटक एवं वर्धन वंशः राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन, आर्थिक दशाएँ, गुप्तकालीन टंकण, भूमि अनुदान, नगर केंद्रों का पतन, भारतीय सामंतशाही, जाति प्रथा, स्त्री की स्थिति, शिक्षा एवं शैक्षिक संस्थाएँ, नालंदा, विक्रमशिला एवं वल्लभी, साहित्य, विज्ञान, कला एवं स्थापत्य।

11. गुप्तकालीन क्षेत्रीय राज्य: कदंब वंश, पल्लव वंश, बादामी का चालुक्य वंश; राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन, व्यापारिक श्रेणियाँ, साहित्य; वैष्णव एवं शैव धर्मों का विकास। तमिल भक्ति आंदोलन, शंकराचार्य; वेदांत, मंदिर संस्थाएँ एवं मंदिर स्थापत्य; पाल वंश, सेन वंश, राष्ट्रकूट वंश, परमार वंश, राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन; सांस्कृतिक पक्ष। सिंध के अरब विजेता; अलबरूनी, कल्याणी का चालुक्य वंश, चोल वंश, होयसल वंश, पांड्य वंश, राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन; स्थानीय शासन; कला एवं स्थापत्य का विकास, धार्मिक संप्रदाय, मंदिर एवं मठ संस्थाएँ, अग्रहार वंश, शिक्षा एवं साहित्य, अर्थव्यवस्था एवं समाज।

12. प्रारंभिक भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के प्रतिपाद्य (Themes infarly Indian Cultural History): भाषाएँ एवं मूलग्रंथ, कला एवं स्थापत्य के क्रम विकास के प्रमुख चरण, प्रमुख दार्शनिक चिंतक एवं शाखाएँ, विज्ञान एवं गणित के क्षेत्र में विचार।

13. प्रारंभिक मध्यकालीन भारत, 750-1200

- राज्य व्यवस्था : उत्तरी भारत एवं प्रायद्वीप में प्रमुख राजनैतिक घटनाक्रम, राजपूतों का उद्गम एवं उदय।
  - चोल वंश : ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं समाज
  - भारतीय सामंतशाही
  - कृषि अर्थव्यवस्था एवं नगरीय बस्तियाँ
  - व्यापार एवं वाणिज्य
  - समाज : ब्राह्मण की स्थिति एवं नई सामाजिक व्यवस्था
  - स्त्री की स्थित
- भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

हिन्दी

14. भारत की सांस्कृतिक परंपरा, 750-1200

- दर्शनः शंकराचार्य एवं वेदांत, रामानुज एवं विशिष्टाद्वैत, मध्व एवं ब्रह्म-मीमांसा।
- धर्म : धर्म के स्वरूप एवं विशेषताएँ, तमिल भक्ति, संप्रदाय, भक्ति का विकास, इस्लाम एवं भारत में इसका आगमन, सूफी मत।
- साहित्य : संस्कृत साहित्य, तमिल साहित्य का विकास, नवविकासशील भाषाओं का साहित्य, कल्हण की राजतरंगिणी, अलबरूनी का इंडिया।
- कला एवं स्थापत्य : मंदिर स्थापत्य, मूर्तिशिल्प, चित्रकला।

प्रथम प्रश्न पत्र

2020,

"शैलकृत स्थापत्य प्रारंभिक भारतीय कला एवं इतिहास के ज्ञान के प्रति महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है।" विवेचना कीजिए |

भारत में बौद्ध धर्म के इतिहास में पाल काल अति महत्वपूर्ण चरण है | विश्लेषण कीजिए।

लॉर्ड कर्जन की नीतियों एवं राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन पर उनके द्रुतगामी प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।

बहुसांस्कृतिक भारतीय समाज को समझने में क्या जाति की प्रासंगिकता समाप्त हो गई है? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए।

भारतीय दर्शन एवं परंपराओं ने भारतीय स्मारकों की कल्पना को और आकार देने एवं उनकी कला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विवेचना कीजिए।

मध्यकालीन भारत के फारसी साहित्यिक स्रोत उस काल के युगबोध का प्रतिबिंब है। टिप्पणी कीजिए।

1920 के दशक से राष्ट्रीय आंदोलन ने कई वैचारिक धाराओं को ग्रहण किया और अपना सामाजिक आधार बढ़ाया। विवेचना कीजिए।

रीति-रिवाजों एवं परंपराओं द्वारा तर्क को दबाने से प्रगति विरोध उत्पन्न हुआ है। क्या आप इससे सहमत हैं?

चतुर्थ प्रश्न पत्र

2020

बुद्ध की कौन सी शिक्षाएं आज सर्वाधिक प्रासंगिक हैं और क्यों ?विवेचना कीजिए।

भारत में लैंगिक समानता के लिए कौन से मुख्य कारक उत्तरदाई हैं। इस संबंध में सावित्रीबाई फुले के योगदान का विवेचना कीजिए।

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण अपने विचार हैं।

अगर आप मदद या हाथ आगे बढ़ा सकते हैं तो ऐसा कीजिए। यदि नहीं तो आप हाथ जोड़िए अपने बदले मार्ग पर जाने दीजिए|----- स्वामी विवेकानंद।

खोजने का उत्तम मार्ग यह है कि अपने आप को अन्य की सेवा में खोजें।--- महात्मा गांधी

2019

महात्मा गांधी का कथन ----व्यक्ति और कुछ नहीं अपने विचारों का उत्पाद होता है। वह जो सोचता है वही बन जाता है।

क्रोध और असहिष्णुता सही समझ के शत्रु हैं -----महात्मा गांधी।

2017

नेपोलियन बोनापार्ट का एक कथन ------"बड़ी महत्वाकांक्षा महान चरित्र का भाव से जुनून है जो इससे संपन्न है तो बहुत अच्छे अथवा बहुत बुरे कार्य कर सकते हैं। यह सब कुछ पूछ सिद्धांतों पर आधारित है जिनसे वे निर्देशित होते हैं।" नेपोलियन बोनापार्ट उदाहरण देते हुए उन शासकों का उल्लेख कीजिए जिन्होंने समाज और देश का अहित किया है। समाज व देश के विकास के लिए कार्य किया है। दोनों का उल्लेख कीजिए।

2016 महात्मा गांधी के 7 पापों की संकल्पना की विवेचना कीजिए।

2015 अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिकांश सदस्यों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के पक्षों का सम्मान किए बिना बैंक के राष्ट्रीय हितों की उन्नति करने की नीति के द्वारा नियंत्रित होते हैं। इससे राष्ट्रों के बीच द्वंद्व और तनाव उत्पन्न होते हैं ऐसे तनाव के समाधान में विचार की प्रकार सहायक हो सकते हैं। विशिष्ट उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

2014

रक्षा सेवाओं के संदर्भ में, 'देशभक्ति' राष्ट्र की रक्षा करने में अपना जीवन उत्सर्ग करने तक ही तत्परता की अपेक्षा करती है। आपके अनुसार, दैनिक असैनिक जीवन में देशभक्ति का क्या तात्पर्य है? उदाहरण प्रस्तुत करते हुए इसको स्पष्ट कीजिए और अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

2013

महान नैतिक विचारको/दार्शनिकों के अवतरण नीचे दिए गए है। आपके लिए प्रत्येक अवतरण का वर्तमान संदर्भ में क्या महत्त्व है, स्पष्ट कीजिए।

1. "पृथ्वी पर हर एक की आवश्यकता पूर्ति के लिए काफी है पर किसी के लालच के लिए कुछ नहीं।" महात्मा गाँधी।

2.

UNIT-1 स्त्रोत

1. स्त्रोतः पुरातात्विक स्त्रोतः अन्वेषण, उत्खनन, पुरालेखविद्या, मुद्राशास्त्र, स्मारक, साहित्य स्त्रोत। स्वदेशीः प्राथमिक व द्वितीयक; कविता, विज्ञान साहित्य, साहित्य, क्षेत्रीय भाषाओं का साहित्य, धार्मिक साहित्य। विदेशी वर्णन : यूनानी, चीनी एवं अरब लेखक

1. पुरातात्विक स्त्रोतः अन्वेषण, उत्खनन, पुरालेखविद्या, मुद्राशास्त्र, स्मारक

2.क्या आप इस मत से सहमत हैं कि पुरातात्विक साक्ष्य प्राय साहित्यिक स्त्रोतों को बेहतर समझने में सहायता करते हैं ? टिप्पणी कीजिए।(2019)

5.प्राचीन भारत में साहित्यिक तथा अभिलेखिक स्त्रोतों के आधार पर भूमि स्वामित्व की समीक्षा कीजिये । (2013)

2. साहित्य स्त्रोत। स्वदेशी: प्राथमिक व द्वितीयक; कविता, विज्ञान साहित्य, साहित्य, क्षेत्रीय भाषाओं का साहित्य, धार्मिक साहित्य

(a) वैदिक धर्म को पुनर्जीवित और लोकप्रिय बनाने में पुराण नवप्रवर्तनकारी साहित्यिक शैली थे।सोदाहरण विस्तार कीजिए।

Puranas were the innovative genre of literature to popularise and revive Vedic religion. Elaborate with examples. (2020)

आरम्भिक भारतीय ऐतिहासिक परम्परा , जैसी कि वह इतिहास - पुराण से प्रतिबिम्बित हैं , किस प्रकार प्रकट हुई थी ? इस शैली के विशिष्ट अभिलक्षण क्या हैं ? (2018

1. विदेशी वर्णन : यूनानी, चीनी एवं अरब लेखक

4." विदेशी लेखकों के विवरणों का उपयोग करते समय इतिहासकार के लिए किंवदन्तियों एवं प्रत्यक्ष अवलोकन पर आधारित तथ्यों में भेद करना अति आवश्यक है । " सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । (2014)

6. भारत के सामाजिक इतिहास का पुनर्निर्माण करने में यूनानी - रोमनों और चीनियों के वृत्तांत किस प्रकार सहायक हैं ? उनके द्वारा दी गई सूचना की अन्य समकालीन स्त्रोतों के द्वारा किस सीमा तक परिपुष्टि होती है ? (2009)

Unit -2 प्रागैतिहास एवं आद्य इतिहास

भौगोलिक कारक, शिकार एवं संग्रहण (पुरापाषाण एवं मध्यपाषाण युग); कृषि का आरंभ (नवपाषाण एवं ताम्रपाषाण युग)।

1.भौगोलिक कारक, शिकार एवं संग्रहण (पुरापाषाण एवं मध्यपाषाण युग);

2.कृषि का आरंभ (नवपाषाण एवं ताम्रपाषाण युग)।

1) मध्य भारत और दक्कन में गैर-हड़प्पाकालीन ताम्रपाषाण संस्कृतियों का उदय न केवल लोगो की जीवन-निर्वाह की पद्धति में परिवर्तन का घोतक है, वरन् प्राक् से आद्य ऐतिहासिक काल के समग्र संक्रमण का भी धयोतक है। समालोचनापूर्वक विश्लेषण कीजिए। (2017)

3) भारत में नवपाषाणकाल की प्रादेशिक विशिष्टताओं की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए और उनका कारण भी बताइए । (2016)

4. महापाषाणयुगीन संस्कृतियाँ

1.सिंधु से बाहर पशुचारण एवं कृषि संस्कृतियों का विस्तार,

2.सामुदायिक जीवन का विकास,

3.बस्तियाँ, कृषि का विकास, शिल्पकर्म, मृदभांड एवं लौह उद्योग।

Unit 5. आर्य एवं वैदिक काल

भारत में आर्यों का प्रसार। वैदिक काल: धार्मिक एवं दार्शनिक साहित्य; ऋग्वैदिक काल से उत्तर वैदिक काल तक हुए रूपांतरण

1. भारत में आर्यों का प्रसार वैदिक काल

2.धार्मिक एवं दार्शनिक साहित्य

3.ऋग्वैदिक काल से उत्तर वैदिक काल तक हुए रूपांतरण

1.ऋग्वेद में उल्लिखित धर्म के स्वरूप और देवताओं के वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए (2020)

परीक्षण कीजिये कि ऋग्वैदिक से उत्तर वैदिक काल तक वर्ण व्यवस्था के रूपांतरण ने स्त्रियों की स्थिति को किस प्रकार प्रभावित किया। (2019)

पूर्व वैदिक समाज के समतावादी स्वरुप में, उत्तर वैदिक काल के दौरान किस प्रकार से परिवर्तन हुए थे ? (2016)

परवर्ती वैदिक लोगो के सामाजिक जीवन का वर्णन कीजिये। यह जीवन ऋग्वैदिक जीवन से किन बातो में भिन्न था ? (2004)

Unit 6-महाजनपद काल

महाजनप्रद कालः महाजनपदों का निर्माण: गणतंत्रीय एवं राजतंत्रीय; नगर केंद्रों का उद्भव; व्यापार मार्ग, आर्थिक विकास; टंकण (सिक्का ढलाई); जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म का प्रसार; मगधों एवं नंदों का उद्भव। ईरानी एवं मकदूनियाई आक्रमण एवं उनके प्रभाव।

1.नगर केंद्रों का उद्भव; व्यापार मार्ग, आर्थिक विकास; टंकण (सिक्का ढलाई)

लगभग सातवीं शताब्दी ई. पू. से तीसरी शताब्दी ई. पू. तक आर्थिक संवृद्धि , नगरीकरण एवं राज्य गठन के बीच संबंधों का परीक्षण कीजिए । (2016

2.महाजनपदों का निर्माण: गणतंत्रीय एवं राजतंत्रीय; मगधों एवं नंदों का उद्भव

गण-संघो (गैर राजतंत्रीय राज्य प्रणालियाँ) का विवरण प्रस्तुत कीजिये | उनका पतन किस कारण हुआ था ? (2018)

3.जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म का प्रसार

8) श्रमानिक धर्मों की संकल्पना के मूल, बौद्ध धर्म के विशेष संदर्भ में, उपनिषदीय विचारो में थे। विवेचना कीजिये। (2018)

9) बौद्ध धर्म एवं जैन धर्म, धर्म के छत्र के अधीन सामाजिक आंदोलन थे। टिपण्णी कीजिये। (2017)

5) ' ईसा पूर्व छठी शताब्दी भारत में धार्मिक एवं आर्थिक अशांति की अवधि थी। ' टिपण्णी कीजिये। (2003)

4.ईरानी एवं मकदूनियाई आक्रमण एवं उनके प्रभाव

इतिहास लेखन से सम्बंधित प्रश्न

- क्या हमें उपलब्ध भू - स्वामित्व के साक्ष्य प्रारंभिक मध्यकालीन भारत में सामन्तवाद के प्रचलन की थियोरी का समर्थन करते हैं ? (2015)

  भारतीय सामंतवाद पर इतिहासकारों द्वारा किन परिवर्तनों की परिकल्पना की गई है ? आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए । (2012)

  संक्षिप्त निबंध लिखिए : पूर्व मध्यकालीन समाज के लिए भारतीय सामंतवाद ' शब्द की अनुप्रयोज्यता । (2009)

श्री नारायणगुरु का सामाजिक सुधार आंदोलन में उपस्थित सबाल्टर्न परिपेक्ष की दृष्टि से एक प्रधान मध्य क्षेप था ? (2017)

Shri narayan Guru was a major intervention in the social reform movement from a subaltern perspective.

क्या कहना कहां तक सही है कि 19वीं शताब्दी के आदिवासी विद्रोह उपाश्रित राष्ट्रीयता का ही हिस्सा है? (2016)

How far is it correct to say that the 19th century tribal Uprising are a part of subaltern nationalism.

.